WORLD HEPATITIS DAY 2023

VCAS, BIJNOR

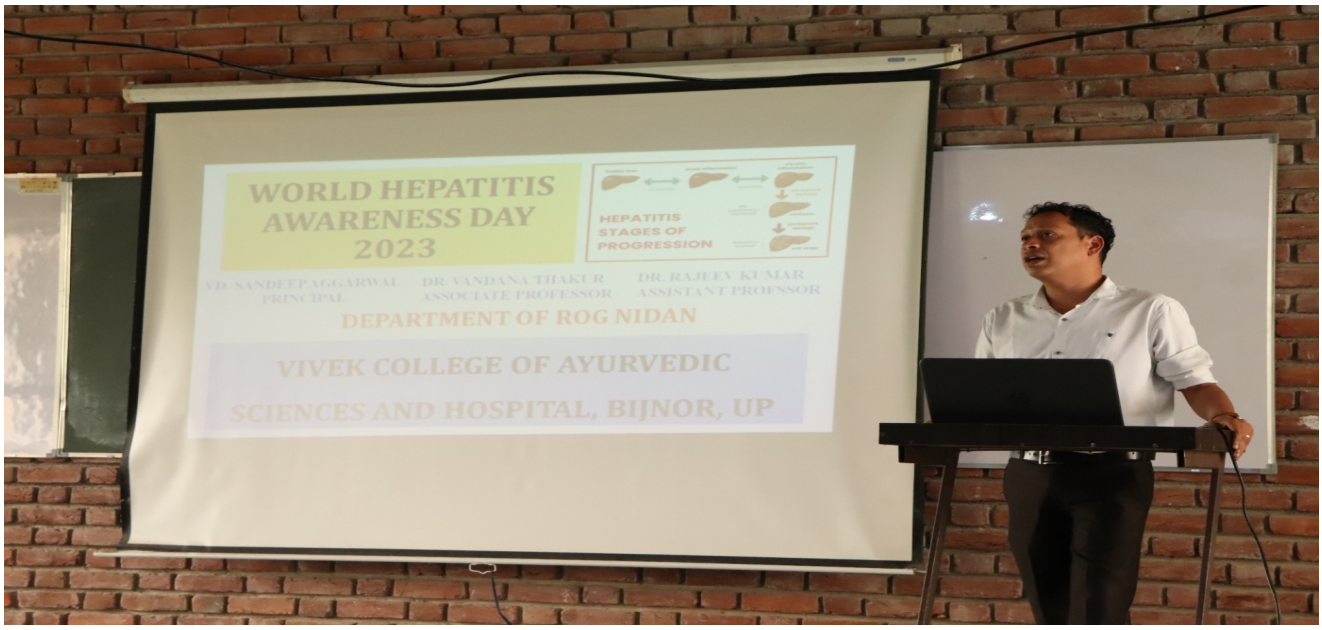

सेमिनार में हेपेटाइटिस के बारे में दी जानकारी

विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज में वर्ल्ड हेपेटाइटिस अवेयरनेश डे पर सेमिनार का आयोजन

● जनवाणी संवाददाता, बिजनौर

विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज और हॉस्पिटल में वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ भगवान धन्वन्तरी की वन्दना करके किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल व उप प्राचार्य डा. देवाशीष पाणिग्राही रहे। मंच का संचालन डा. अनिल पटेल (एशोसिएट प्रोफेसर) द्रव्यगुण विभाग द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में रोग निदान विभाग से एसोसिऐट प्रोफेसर डा. वन्दना ठाकुर व असिस्टेंट प्रोफेसर डा. राजीव कुमार रहे।

सर्वप्रथम रोग निदान विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर डा. राजीव कुमार ने बताया कि हेपेटाइटिस (यकृत की सूजन) से प्रत्येक वर्ष करोडों लोग बीमार पडते है और लाखों जाने जाती है। सर्वप्रथम यह बीमारी नवीन अवस्था में होती है जो लापरवाही करने से अगली जीर्ण अवस्था में चली जाती है तब भी लापरवाही की तो इससे फेटी लीवर, लीवर सिरोसिस, लीवर कैंसर तथा मृत्यु आदि हो सकते है। वायरल हेपेटाइटिस-ए तथा ई ये दोनों खाने पीने से फैलते है जबकि वायरल हेपेटाइटिस-बी और सी रक्त के द्वारा फैलते

है जो काफी खतरनाक हो सकते है। ऐल्कोहल हेपेटाइटिस लम्बे समय तक अधिक मात्रा में ऐल्कोहल इस्तेमाल करने से हो सकती है। टॉक्सिक हेपेटाइटिस लम्बे समय तक बिना परामर्श के दवाईयों का सेवन करने से हो सकती है। कुछ रोगी लक्षण रहित होते है तो कुछ में बुखार, भूख का न लगना, उल्टी जैसा लगना, चक्कर आना, आखों का पीला हो जाना तथा मूत्र का कलर बदल जाना आदि लक्षण दिखाई देते है। इसलिए जागरूकता और बचाव ही इस बीमारी के लिए महत्वपूर्ण उपाय है। तदोपरान्त रोग निदान विभाग से ही एसोसिऐट प्रोफेसर डा. वन्दना ठाकुर ने बताया कि आज के दिन का उद्देश्य हेपेटाइटिस रोग के बारे में सिर्फ जानकारी देना नहीं है बल्कि स्वंय जागरूक होकर अपने घर परिवार, सम्बधियों व अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है जिससे कि वह भी इस बीमारी से बच सकें। और जो ग्रसित है उनके साथ अनुचित व्यवहार न करते हुए सुरक्षा के उपाय अपनाये और जल्द से जल्द इस बीमारी का पता लगाकर इसकी चिकित्सा करायें। इस बीमारी का पता चिकित्सक दर्शन, स्पर्शन, फिजिकल ऐग्जामिनेशन, मेडिकल हिस्ट्री, लक्षणों के आधार पर, कुछ ब्लड टेस्ट तथा अल्ट्रासोनोग्राफी के माध्यम से आसानी से लगा सकते है। अन्त में रसशास्त्र विभाग से प्रोफेसर डा. देवाशीष पाणिग्राही ने चिकित्सा के बारे में बताया जैसे कि आराम करना, अधिक लिक्विड (मिनरल वॉटर, जूस, ग्लूकोज, नारियल पानी आदि) का सेवन करना, हेल्दी डाइट लेना, एल्कोहल बन्द कर देना, समय से वैक्सीनेशन कराना आदि उपाय करें। इस कार्यक्रम में डा. आरपी सिंह, डा. प्रदीप, डा. मल्किार्जुन, डा. सुनील कुमार, डा. संतोष गुप्ता, डा. वरनबाल, डा. हजरा, डा. केतकी, डा. नितिन, डा. नृपेन्द्र, डा. प्रज्ञा, डा. सुरभि आदि उपस्थित रहे ।

विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज में सेमिनार का आयोजन

बिजनौर(प्रयाण)। विवेक कॉलेज ऑफआयुर्वेदिक साइंसेज एवं हॉस्पिटल में 'वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे' पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ भगवान धन्वन्तरी जी की वन्दना करके किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल जी व उप प्राचार्य डॉ0 देवाशीष पाणिग्राही जी रहे। मंच का संचालन डॉ0 अनिल पटेल (एशोसिएट प्रोफेसर) द्रव्यगुण विभाग द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में रोग निदान विभाग से एसोसिऐट प्रोफेसर डॉ0 वन्दना ठाकुर व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 राजीव कुमार रहें। सर्वप्रथम रोग निदान विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 राजीव कुमार जी ने बताया कि हेपेटाइटिस (यकृत की सूजन) से प्रत्येक वर्ष करोडो लोग बीमार पडते है और लाखों जाने

जाती है। सर्वप्रथम यह बीमारी नवीन अवस्था में होती है जो लापरवाही करने से अगली जीर्ण अवस्था में चली जाती है तब भी लापरवाही की तो इससे फेटी लीवर, लीवर सिरोसिस, लीवर कैंसर तथा मृत्यु आदि हो सकते है। वायरल हेपेटाइटिस-ए तथा ई ये दोनो खाने पीने से फैलते है जबकि वायरल हेपेटाइटिस-बी और सी रक्त के द्वारा फैलते है जो काफी खतरनाक हो सकते है। ऐल्कोहल हेपेटाइटिस लम्बे समय तक अधिक मात्रा में ऐल्कोहल इस्तेमाल करने से हो सकती है। टॉक्सिक हेपेटाइटिस लम्बे समय तक बिना परामर्श के दवाईयो का सेवन करने से हो सकती है। कुछ रोगी लक्षण रहित होते है तो कुछ में बुखार, भूख का न लगना, उल्टी जैसा लगना, चक्कर आना, आखों का पीला हो जाना तथा मूत्र का कलर बदल जाना आदि लक्षण दिखाई देते है। इसलिए जागरूकता और बचाव ही इस बीमारी के लिए महत्वपूर्ण उपाय है।

तदोपरान्त रोग निदान विभाग से ही एसोसिऐट प्रोफेसर डॉ0 वन्दना ठाकुर जी ने बताया कि आज के दिन का उद्देश्य हेपेटाइटिस रोग के बारे में सिर्फ जानकारी देना नहीं है बल्कि स्वंय जागरूक होकर अपने घर परिवार, सम्बधियों व अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है जिससे कि वह भी इस बीमारी से बच सकें। और जो ग्रसित है उनके साथ अनुचित व्यवहार न करते हुए सुरक्षा के उपाय अपनाये और जल्द से जल्द इस बीमारी का पता लगाकर इसकी चिकित्सा करायें। इस बीमारी का पता चिकित्सक दर्शन, स्पर्शन, फिजिकल ऐग्जामिनेशन, मेडिकल हिस्ट्री, लक्षणों के आधार पर, कुछ ब्लड टेस्ट तथा अल्ट्रासोनोग्राफी के माध्यम से आसानी से लगा सकते है।

अन्त में रसशास्त्र विभाग से प्रोफेसर डॉ0 देवाशीष पाणिग्राही जी ने चिकित्सा के बारे में बताया जैसे कि आराम करना, अधिक लिक्विड (मिनरल वॉटर, जूस, ग्लूकोज, नारियल पानी आदि) का सेवन करना, हेल्दी डाइट लेना, एल्कोहल बन्द कर देना, समय से वैक्सीनेशन कराना आदि उपाय करें। इस कार्यक्रम में डॉ0 आर0पी0सिंह, डॉ0 प्रदीप, डॉ0 मल्किार्जुन, डॉ0 सुनील कुमार, डॉ0 संतोष गुप्ता, डॉ0 वरनबाल, डॉ0 हजरा, डॉ0 केतकी, डॉ0 नितिन, डॉ0नृपेन्द्र, डॉ0 प्रज्ञा, डॉ0 सुरभि आदि उपस्थित रहे ।

WORLD HEPATITIS
AWARENESS DAY
2023
HEPATITIS
STAGES OF
PROGRESSION
DEPARTMENT OF ROG NIDAN
VIVEK COLLEGE OF AYURVEDIC
SCIENCES AND HOSPITAL, BIJNOR, UP

हेपेटाइटिस से बचाव के बारे में बताया

बिजनौर:विवेक कालेज आफ आयुर्वेदिक साइंऐज एंड हास्पिटल में विश्व हेपेटाइटिस जागरुकता दिवस पर सेमिनार आयोजित हुई। विद्यार्थियों को रोग से बचाव के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धनवंतरी की प्रार्थना से किया गया।

रोग निदान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर राजीव कुमार ने बताया कि हेपेटाइटिस से हर साल लाखों लोगों की जान जाती है। इससे फेटी लीवर, लीवर सिरोसिस, लीवर कैंसर आदि हो सकते हैं। जागरुकता से बीमारी की चपेट में आने से ही बचा जा सकता है। रसशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डा.देवाशीष पाणिग्राही ने बताया कि आराम करके, पेय पदार्थ जैसे जूस आदि का अधिक सेवन कर, पोषक तत्वयुक्त आहार लेकर, शराब बंद करके व समय से दवाई लेकर रोग को जल्दी ठीक किया जा सकता है। प्राचार्य वैत्र संदीप अग्रवाल ने सभी से स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आह्वान किया। संचालन डा.अनिल पटेल ने किया। कार्यक्रम में डा.आरपी सिंह, डा.प्रदीप, डा.मल्किार्जुन, डा.सुनील कुमार, डा.संतोष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।(विज्ञप्ति)

विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज मे 'वर्ल्ड हेपेटाइटिस अवेयरनेश डे' पर सेमिनार का आयोजन

पब्लिक इमोशन संवाददाता

बिजनौर। विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एवं हॉस्पिटल में 'वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे' पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ भगवान धन्वन्तरी जी की वन्दना करके किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल जी व उप प्राचार्य डॉ. देवाशीष पाणिग्राही जी रहे। मंच का संचालन डॉ. अनिल पटेल (एशोसिएट प्रोफेसर) द्रव्यगुण विभाग द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में रोग निदान विभाग से एसोसिऐट प्रोफेसर डॉ. वन्दना ठाकुर व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार रहें।

सर्वप्रथम रोग निदान विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार जी ने बताया कि हेपेटाइटिस (यकृत की सूजन) से प्रत्येक वर्ष करोडो लोग बीमार पडते है और लाखों जाने जाती है। सर्वप्रथम यह बीमारी नवीन अवस्था में होती है जो लापरवाही करने से अगली जीर्ण अवस्था में चली जाती है तब भी लापरवाही की तो इससे फेटी लीवर, लीवर सिरोसिस, लीवर कैंसर तथा मृत्यु आदि हो सकते है। वायरल हेपेटाइटिस-ए तथा ई ये दोनो खाने पीने से फैलते है जबकि वायरल हेपेटाइटिस-बी और सी रक्त के द्वारा फैलते है जो काफी खतरनाक हो सकते है। ऐल्कोहल हेपेटाइटिस लम्बे समय तक अधिक मात्रा में ऐल्कोहल इस्तेमाल करने से हो सकती है। टॉक्सिक हेपेटाइटिस लम्बे समय तक बिना परामर्श के दवाईयो का सेवन करने से हो सकती है। कुछ रोगी लक्षण रहित होते है तो कुछ में बुखार, भूख का न लगना, उल्टी जैसा लगना, चक्कर आना, आखों का पीला हो जाना तथा मूत्र का कलर बदल जाना आदि लक्षण दिखाई देते है। इसलिए जागरूकता और बचाव ही इस बीमारी के लिए महत्वपूर्ण उपाय है।

तदोपरान्त रोग निदान विभाग से ही एसोसिऐट प्रोफेसर डॉ. वन्दना ठाकुर जी ने बताया कि आज के दिन का उद्देश्य हेपेटाइटिस रोग के बारे में सिर्फ जानकारी देना नहीं है बल्कि स्वंय जागरूक होकर अपने घर परिवार, सम्बधियों व अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है जिससे कि वह भी इस बीमारी से बच सकें। और जो ग्रसित है उनके साथ अनुचित व्यवहार न करते हुए सुरक्षा के उपाय अपनाये और जल्द से जल्द इस बीमारी का पता लगाकर इसकी चिकित्सा करायें। इस बीमारी का पता चिकित्सक दर्शन, स्पर्शन, फिजिकल ऐग्जामिनेशन, मेडिकल हिस्ट्री, लक्षणों के आधार पर, कुछ ब्लड टेस्ट तथा अल्ट्रासोनोग्राफी के माध्यम से आसानी से लगा सकते है।

अन्त में रसशास्त्र विभाग से प्रोफेसर डॉ. देवाशीष पाणिग्राही जी ने चिकित्सा के बारे में बताया जैसे कि आराम करना, अधिक लिक्विड (मिनरल वॉटर, जूस, ग्लूकोज, नारियल पानी आदि) का सेवन करना, हेल्दी डाइट लेना, एल्कोहल बन्द कर देना, समय से वैक्सीनेशन कराना आदि उपाय करें।

इस कार्यक्रम में डॉ. आर.पी.सिंह, डॉ. प्रदीप, डॉ. मल्लिकार्जुन, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. संतोष गुप्ता, डॉ. वरनबाल, डॉ. हजरा, डॉ. केतकी, डॉ. नितिन, डॉ. नृपेन्द्र, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. सुरभि आदि उपस्थित रहे ।